साहित्य मंच कार्यक्रम में चार कवियों ने किया कविता-पाठ

वैभव न्यूज ■ नई दिल्ली

साहित्य अकादेमी द्वारा आयोजित साहित्य मंच कार्यक्रम में गीता पंडित,कल्लोल चक्रवर्ती, संतोष पटेल एवं स्वाति शर्मा ने काव्य-पाठ किया। सर्वप्रथम स्वाति शर्मा ने अपनी कविताएं प्रस्तुत कीं, जिनमें अक्षत, रिमाइंडर, धुंध, रोटी और कविता आदि कविताएं महत्तवपूर्ण थीं। शहर के बिंबों को प्रस्तुत करती इन कविताओं में स्त्री होने की त्रासदी और शहरों में मां या अन्य रिश्तों के बनते बिगड़ते चित्र भी थे। संतोष

पटेल ने बिहार के पद्मश्री प्राप्त नर्तक रामचंद्र माझी पर अपनी कविता से शुरुआत कर अन्य कविताएं प्रेम करना इतना आसान नहीं, ऐलान, बुद्ध उनके लिए प्रस्तुत कीं। अपने कविता-पाठ का अंत उन्होंने एक सुंदर गीत की पंक्तियां प्रस्तुत कर किया। उनकी कविताओं में शांति और सत्ता के विरोधाभासों को प्रतिबिंबित किया गया था। कल्लोल चक्रवर्ती ने अपनी कविताओं में लड़कियों की स्थिति जीवन में गणित के समीकरण और महानंदा एक्सप्रेस के बहाने बिहार से आने जाने वाले कामगारों पर अपनी चर्चित कविता प्रस्तुत की। उनकी अन्य कविताओं के शीर्षक थे कुंडली,जो बोल सकते थे और गणित की कक्षा में। सबसे अंत में गीता पंडित ने अपनी कविताएं प्रस्तुत कीं। सभ्यता का मुखौटा उनकी एक विस्तृत कविता थी।